सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_Sanjay YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 7 ● अंक: 352 ● पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शुक्रवार, 28 जनवरी, 2022

मूल्य ₹ 3/-

कोई भी समस्या चेतना के उसी स्तर पर रह कर नहीं हल की जा सकती है जिस पर वह उत्पन्न हुई है।

– अल्बर्ट आइंस्टीन

सिद्धू ने अपने इलाके में नहीं किया... 2 | पश्चिमी यूपी में जीत दोहराने की... 3 | कानपुर : मिठाई के कारखाने में... 7

भाजपा को सबक सिखाएगी लाल टोपी और लाल पोटली: अखिलेश

- किसानों को अपमानित किया सरकार ने, भाजपा को हटाने के लिए लिया अन्न संकल्प
- अस्सी करोड़ लोगों को बना दिया गरीब, कोरोना काल में नहीं की किसी की मदद
- गाजियाबाद में सपा प्रमुख ने भाजपा पर जमकर साधा निशाना

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

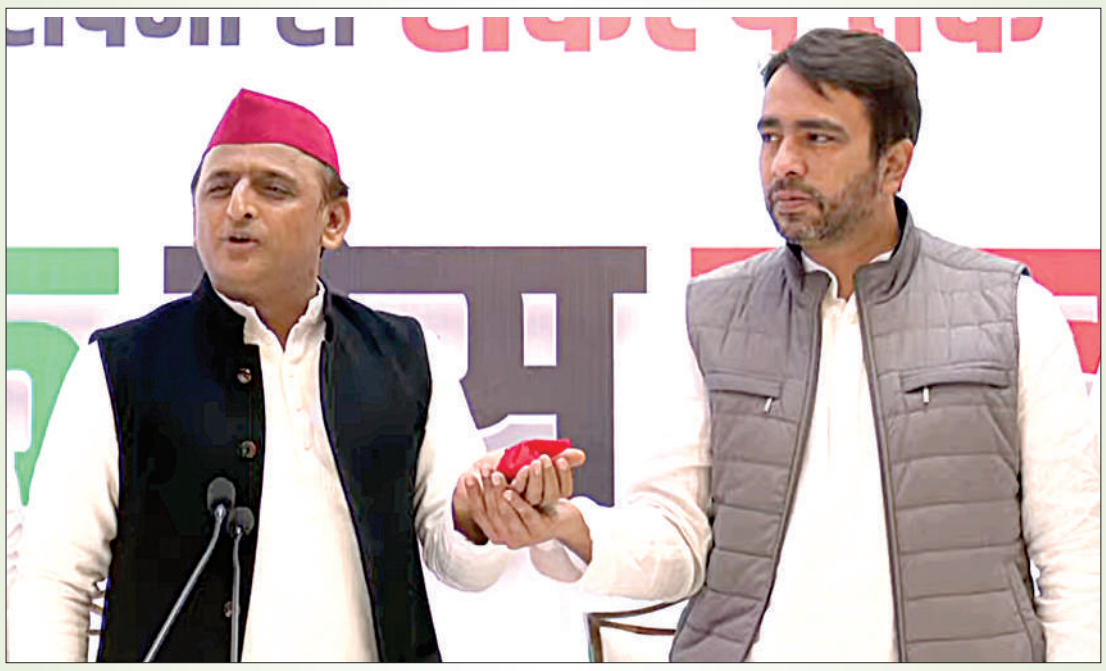

गाजियाबाद। सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने एक बार फिर भाजपा पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि कृषि कानूनों के खिलाफ देश के किसानों ने जो आवाज उठायी उससे भाजपा सरकार को झुकना पड़ा। भाजपा ने किसानों को आतंकवादी और मवाली कहा। किसान आंदोलन को कुचलने की कोशिश की गयी लेकिन किसान काले कृषि कानून के खिलाफ तब तक डटे रहे जब तक इनको वापस नहीं ले लिया गया। मैं अपने साथ अन्न की लाल पोटली लेकर चलता हूं और अन्न संकल्प लेता हूं कि यह लाल टोपी और लाल पोटली भाजपा को हराने और भगाने का काम करेगी। जनता भाजपा को सबक सिखाएगी।

उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नाकामी के कारण देश और प्रदेश में गरीबी बढ़ती जा रही है। भाजपा कहती है कि 80 करोड़ लोगों को राशन दे रही है यानी इन्होंने इतने लोगों को गरीब बना दिया। कोरोना काल में मजदूरों की कोई मदद नहीं की गयी। कई मजदूरों ने रास्ते में दम तोड़ दिया। प्रदेश में नब्बे से ज्यादा मजदूरों की मौत हुई। सपा और आरएलडी ने मजदूरों की मदद की। सपा ने मृतक परिजनों को एक-एक लाख की मदद की। मैं और जयंत किसानों की लड़ाई लड़ रहे हैं। चौधरी चरण सिंह जी ने किसानों को एक किया और उनके हित के लिए काम किया। यूपी की जनता ने बदलाव का मन बना लिया है। ये चुनाव गरीब, किसान और मजदूरों का है। यह चौधरी चरण सिंह की विरासत को बचाने का भी चुनाव है। उन्होंने कहा कि भाजपा नकारात्मक राजनीति करती है। नफरत फैलाती है। हम गंगा-जमुनी तहजीब को बढ़ाना चाहते हैं। सपा सरकार बनने पर उद्योगों को मदद दी जाएगी। इसके लिए अलग से पैकेज लाएंगे। सपा सरकार बनने पर यहां के साइकिल कारखाने को दोबारा शुरू करेंगे। इससे तमाम लोगों को रोजगार मिलेगा। अन्न संकल्प के लिए यह पोटली तब तक लेकर चलेंगे जब तक भाजपा को प्रदेश से हटा नहीं लेंगे। भाजपा ने प्रदेश के विकास का रास्ता रोका है।

आज छह बजे देखिये ज्वलंत विषय पर चर्चा हमारे यू ट्यूब चैनल 4PM News Network पर

खोले जाएंगे समाजवादी किराना स्टोर

सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि समाजवादी पार्टी की सरकार बनी तो प्रदेश में समाजवादी किराना स्टोर खोलें जाएंगे जहां गरीबों को सब्सिडी पर अन्न व अन्य वस्तुए मिलेंगी।

प्रदेश को विकास के रास्ते पर ले जाएगा सपा-रालोद गठबंधन : जयंत

रालोद प्रमुख जयंत चौधरी ने कहा कि कानून वापस भले हुए हों लेकिन लखीमपुर में किसानों पर गाड़ियां चढ़ाई गयीं। एक ओर वह सरकार है जो किसानों को मारती और अपमानित करती है दूसरी ओर रालोद और सपा का तरक्की पसंद गठबंधन हैं। अब प्रदेश के मतदाता को इसका फैसला करना होगा। सपा-रालोद गठबंधन झूठ मुक्त सरकार देगी।

जाति और परिवार की राजनीति करता है विपक्ष: शाह

- जयंत और अखिलेश का गठबंधन महज दिखावा
- सपा सरकार में था गुंडाराज, योगी राज में माफिया प्रदेश छोड़कर भागे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

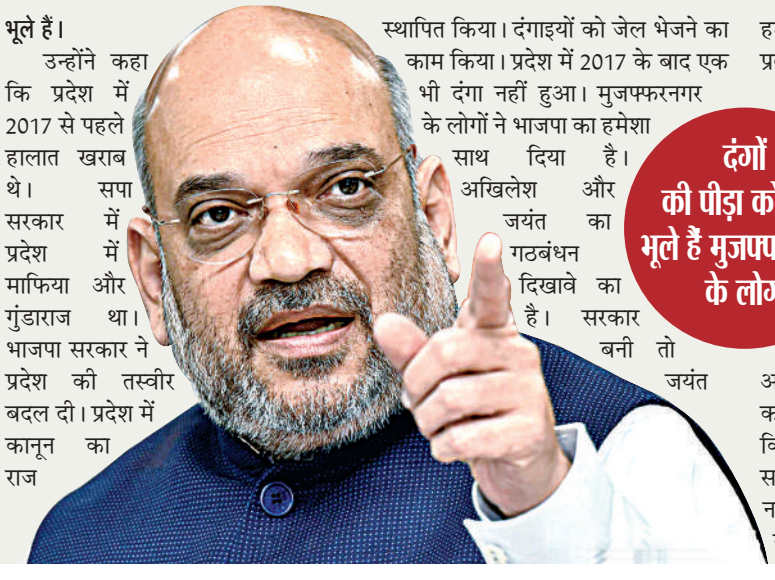

मुजफ्फरनगर। भाजपा के दिग्गज नेता और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने आज विपक्ष पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि विपक्ष जाति और परिवार की राजनीति करती है। सपा सरकार में प्रदेश में गुंडाराज था लेकिन योगी राज में माफिया और गुंडे प्रदेश छोड़कर भाग गए। मुजफ्फरनगर के लोग दंगों की पीड़ा नहीं भूले हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश में 2017 से पहले हालात खराब थे। सपा सरकार में प्रदेश में माफिया और गुंडाराज था। भाजपा सरकार ने प्रदेश की तस्वीर बदल दी। प्रदेश में कानून का राज स्थापित किया। दंगाइयों को जेल भेजने का काम किया। प्रदेश में 2017 के बाद एक भी दंगा नहीं हुआ। मुजफ्फरनगर के लोगों ने भाजपा का हमेशा साथ दिया है। अखिलेश और जयंत का गठबंधन दिखावे का है। सरकार बनी तो जयंत हट जाएंगे और आजम खां आ जाएंगे। उत्तर प्रदेश को सपा, बसपा और कांग्रेस सुरक्षा नहीं दे सकती। प्रदेश में कई सालों तक सपा का शासन था लेकिन वे बताएं कि उन्होंने किसानों के लिए कितना काम किया। भाजपा ने किसानों की कर्जमाफी की। किसानों को गन्ने बकाये का भुगतान कराया। मोदी सरकार किसानों को किसान सम्मान निधि के तहत अब तक कई हजार करोड़ दे चुकी है। यूपी कई क्षेत्रों में आज नंबर वन है। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव अच्छा झूठ बोलते हैं। सपा शासन में वे लोगों को बिजली तक नहीं दे पाए और अब फ्री बिजली की बात कर रहे हैं। मुजफ्फरनगर में प्रभावी मतदाता संवाद कार्यक्रम में अमित शाह ने कहा कि बहन जी एक जाति की बात करती थीं, कांग्रेस परिवार की बात करती थी और अखिलेश की सपा तो गुंडा-माफिया की बात करती थी। उन्होंने कहा कि यही मुजफ्फरनगर है, जिसने 2014, 2017 और 2019 में भाजपा की उत्तर प्रदेश में प्रचंड जीत की नींव डालने का काम किया है। यहीं से लहर उठती है जो काशी तक जाती है और हमारे विरोधियों का सूपड़ा साफ कर देती है। उत्तर प्रदेश का जब मैं प्रभारी बना था, तब शुरू में ही यहां दंगे हुए थे तब की सरकार में आरोपी ही पीड़ित बन गए थे और जो पीड़ित थे, उन्हें आरोपी बना दिया गया था। सपा सरकार जब भी आती थी तो गुंडा, माफिया और तुष्टिकरण की बात होती थी।

दंगों की पीड़ा को नहीं भूले हैं मुजफ्फरनगर के लोग

सरकार बनने पर 15 दिन में गन्ने का भुगतान करेंगे : अखिलेश

» मुजफ्फरनगर में जयंत के साथ सपा प्रमुख ने दिखाई ताकत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में चुनाव को लेकर सभी राजनीतिक पार्टियां पूरा दमखम दिखाने में जुटी हुई है। इसी बीच समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव और आरएलडी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी ने जॉइंट प्रेस कॉन्फ्रेंस में बीजेपी पर जमकर हमला बोला। अखिलेश ने कहा कि बीजेपी ने अपने घोषणापत्र में किये वादे पूरे नहीं किए। उन्होंने कहा कि 2022 में अच्छी सरकार होगी।

अखिलेश ने यहां चौधरी चरण सिंह के किसानों को लेकर उज्जवल सपने की बात करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने चौधरी साहब के सपने को तोड़ा है। वहीं अखिलेश ने आगे कहा कि मैं और जयंत चौधरी हम दोनों किसानों के बेटे हैं और किसानों के हकों के लिए आखिरी तक लड़ेंगे। अखिलेश ने कहा कि हमारी सरकार आती है तो यूपी में कोई भी काला कानून लागू नहीं हो सकेगा। वहीं एमएसपी पर सरकारी खरीद का इंतजाम होगा। सपा मुखिया ने प्रेस वार्ता के दौरान कहा कि अगर हम सरकार में आते हैं तो 300 यूनिट बिजली फ्री देंगे, सिंचाई के लिए बिजली माफ होगी। किसानों के लिए एमएसपी पर खरीद के लिए इंतजाम किए जाएंगे। गन्ने के भुगतान के लिए उन्हें इंतजार न करना पड़े, इसके लिए फार्मर कॉरपस फंड और फॉर्म रिवाल्विंग फंड बनाएंगे। सपा सरकार में किसानों को गन्ने के भुगतान के लिए 15 दिन से ज्यादा का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।

हेलिकॉप्टर को रोककर रखने का आरोप

अखिलेश ने केंद्र सरकार पर उनके हेलिकॉप्टर को रोककर रखने का आरोप लगाया। कल मुजफ्फरनगर में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस थी, लेकिन वह करीब ढाई बजे तक दिल्ली में ही थे। हालांकि कुछ समय बाद उन्होंने मुजफ्फरनगर के लिए उड़ान भरी। यूपी में अखिलेश यादव की समाजवादी पार्टी जयंत चौधरी की राष्ट्रीय लोकदल के साथ मिलकर चुनावी मैदान में है।

जयंत और अखिलेश ने अन्न संकल्प लिया

वार्ता के दौरान अखिलेश यादव ने कहा कि वह अपनी जेब में दो वस्तु रखते हैं, जिसमें एक लाल टोपी और दूसरी लाल पोटली। इस पोटली में अन्न के दाने वह रखते हैं। अन्नदाता किसानों पर अन्याय और अत्याचार करने वाली सरकार को हटाने के लिए उन्होंने जयंत चौधरी के साथ अन्न संकल्प लिया है। अखिलेश यादव द्वारा हाथ में रखी पोटली के नीचे जयंत चौधरी ने भी अपना हाथ लगाया और संयुक्त संकल्प को दोहराया। उन्होंने अपने ट्वीटर पर इसका फोटो भी पोस्ट किया और लिखा कि किसानों का इंकलाब होगा और बाइस में बदलाव होगा।

सिद्धू ने अपने इलाके में नहीं किया कोई विकास कार्य : केजरीवाल

» लोगों के सुख-दुख में नहीं लेते हैं भाग, कांग्रेस व अकाली दल की सरकारों ने प्रदेश को लूटा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जालंधर। आप के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने शुक्रवार को चन्नी सरकार को घेरा और सिद्धू पर तीखा हमला करते हुए कहा कि सिद्धू न तो इलाके में जाते हैं और न किसी का फोन उठाते हैं। आम आदमी पार्टी ने चुन-चुनकर ईमानदार लोगों को टिकट दिया है।

केजरीवाल ने कहा कि प्रदेश प्रधान भगवंत मान के पास पैसा नहीं है। भगवंत मान पिछले सात वर्ष से सांसद हैं लेकिन वह अभी भी किराए के मकान में रहते हैं। केजरीवाल ने अकाली दल और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि दोनों पार्टियों पर नशा व रेत बेचने का आरोप हैं। पंजाब में शिक्षा और अस्पतालों का स्तर सुधारा जाएगा। यह सब तब संभव होगा, जब पंजाब में ईमानदार सरकार आएगी। उन्होंने कहा कि वर्ष 1966 से लेकर अब तक 26 साल पंजाब में कांग्रेस की सरकार और 19 वर्ष बादल की सरकार रही है। इन दोनों ने मिलकर पंजाब को लूट लिया। मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी पर हमला बोलते हुए कहा कि उन पर रेत चोरी के आरोप हैं। उनके घर ईडी की रेड हुई है, नोटों की गड्डियां मिली हैं। उनको मात्र 111 दिन मिले थे और उसमें ही उन्होंने कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। पंजाब प्रदेश कांग्रेस प्रधान नवजोत सिंह सिद्धू पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि वह अपने हलके में कभी नहीं जाते और न ही किसी का फोन उठाते हैं। नवजोत सिद्धू किसी व्यक्ति के दुख सुख में काम नहीं आते। पांच वर्ष में सिद्धू ने अपने हलके का कोई काम नहीं करवाया। राहुल गांधी के पंजाब आने पर केजरीवाल ने कहा कि उन्होंने पंजाब आने में देरी कर दी।

मोदी, योगी, शाह और नड्डा उत्तराखंड में स्टार प्रचारक

» भाजपा की सूची में 30 लोगों के नाम

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह उत्तराखंड में पार्टी के स्टार प्रचारक होंगे। भाजपा ने उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के लिए 30 स्टार प्रचारकों की सूची जारी कर दी है। स्टार प्रचारकों में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी, प्रदेश चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी, प्रदेश प्रभारी दुष्यंत कुमार गौतम के नाम प्रमुख हैं।

इनके अलावा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, प्रदेश अध्यक्ष मदन कौशिक, केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, केंद्रीय राज्यमंत्री वीके सिंह, रक्षा राज्यमंत्री अजय भट्ट, पूर्व केंद्रीय शिक्षा मंत्री डॉ.रमेश पोखरियाल निशंक, पूर्व मुख्यमंत्री विजय बहुगुणा, त्रिवेंद्र सिंह रावत और तीरथ सिंह रावत, प्रदेश सह प्रभारी रेखा वर्मा, सह चुनाव प्रभारी लॉकेट चटर्जी, आरपी सिंह, प्रदेश महामंत्री संगठन अजेय कुमार, सांसद अजय टम्टा, माला राज्य लक्ष्मी शाह, सांसद अनिल बलूनी, नरेश बंसल, मनोज तिवारी, नायब सिंह सैनी, कैबिनेट मंत्री सतपाल महाराज और बलराज पासी भी उत्तराखंड चुनाव के स्टार प्रचारक बनाए गए हैं।

उत्तराखंड में नामांकन रुका, नेता अब जोरशोर से प्रचार के लिए जुटे

देहरादून। नामांकन के बाद अब भाजपा, कांग्रेस आदि दलों के प्रत्याशियों ने प्रचार तेज कर दिया है। आप और निर्दलीय उम्मीदवार भी लगातार लोगों के संपर्क में हैं। विधानसभा में उत्तर प्रदेश से पृथक उत्तराखंड राज्य बनने तक कांग्रेस के विधायक बने। उत्तरप्रदेश में ही भारतीय जनता दल के विधायक दो बार चुने गए। राज्य बनने के बाद पहली बार कांग्रेस के ही विधायक निर्वाचित हुए। उसके बाद भाजपा ने कांग्रेस के गढ़ में सेंध लगाई और तीन बार भाजपा के विधायक बने। इस बार आम आदमी पार्टी भी मैदान में है।

योगी सरकार में मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह इलाहाबाद पश्चिम से चुनाव लड़ेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। यूपी चुनाव के लिए भाजपा ने एक और कैंडिडेट लिस्ट जारी की है। उत्तर प्रदेश चुनाव चुनाव के लिए भाजपा ने 91 सीटों पर कैंडिडेट का ऐलान किया है। इस लिस्ट में चौथे और पांचवें चरण के उम्मीदवारों के नाम हैं। भाजपा की इस कैंडिडेट लिस्ट में अयोध्या सीट से वेद प्रकाश गुप्ता को उम्मीदवार बनाया है, वहीं आजमगढ़ से अखिलेश मिश्रा को टिकट दिया है।

वहीं योगी सरकार में मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह को इलाहाबाद पश्चिम से टिकट दिया गया है। लिस्ट की मानें तो भाजपा ने मौजूदा विधायकों पर ही ज्यादा भरोसा जताया है। अयोध्या सीट से वेद प्रकाश गुप्ता, गोसाईगंज से आरती तिवारी, बीकापुर से अमित सिंह, रुदौली से रामचंद्र यादव व मिल्कीपुर से बाबा गोरखनाथ को भाजपा ने उम्मीदवार बनाया है। भाजपा ने अयोध्या जनपद में गठबंधन को तरजीह नहीं दी है, क्योंकि बीकापुर से निषाद पार्टी से बबलू सिंह टिकट की मांग कर रहे थे। उत्तर प्रदेश में सात चरणों में मतदान होना है। इसकी शुरुआत 10 फरवरी को राज्य के पश्चिमी हिस्से के 11 जिलों की 58 सीटों पर मतदान के साथ होगी। दूसरे चरण में 14 फरवरी को राज्य की 55 सीटों पर मतदान होगा।

बामुलाहिजा

कार्टून: हसन जैदी

बूढ़ी हड्डियों में अभी भी है दम : हरीश रावत

» मौका मिलने पर सरकार की कमान संभालना चाहेंगे

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

देहरादून। उत्तराखंड कांग्रेस में कैंपेन कमेटी के प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत का कहना है कि राजनीति में महत्वाकांक्षा रखने में कोई हर्ज नहीं है। रावत ने कहा कि मौका मिलने पर वो सरकार की कमान संभालना चाहेंगे। हालांकि कांग्रेस में पंजाब और उत्तराखंड में किसी भी मुख्यमंत्री पद के चेहरे को घोषित नहीं किया है, लेकिन दोनों ही राज्यों में नेता अपने-अपने ढंग से खुद को प्रोजेक्ट करते रहे हैं।

73 साल के हरीश रावत ने कहा कि उनकी बूढ़ी हड्डियों में बहुत दम है। कांग्रेस के अंदर जारी सत्ता संघर्ष पर हरीश रावत ने कहा कि नेताओं के अंदर महत्वाकांक्षा होना जरूरी है। 2016 में कांग्रेस सरकार को धराशाई करने वाले हरक सिंह रावत की कांग्रेस में वापसी पर हरीश रावत खुश नहीं रहे हैं। जब उनसे पूछा गया कि अगर कांग्रेस सरकार बनाने की स्थिति में हुई तो इस बात की क्या गारंटी है कि हरक सिंह उनकी राह में रोड़ा नहीं बनेंगे। इस सवाल पर हरीश रावत ने कहा कि हरक मेरे छोटे भाई हैं और उन्होंने भरोसा दिया है कि वो 'गड़बड़' नहीं करेंगे। टिकट बंटवारे के बाद कांग्रेस में आई बागियों की बाढ़ पर रावत ने कहा कि जब कार्यकर्ताओं को लगता है पार्टी सत्ता में आने वाली है तो स्वाभाविक तौर पर उसमें टिकट के लिए मारामारी मच जाती है। बागियों को मनाने की कोशिश जारी है।

चुनावी वादों पर बोले हरीश रावत

हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने राजनीतिक दलों द्वारा किए जा रहे लोक लुभावन वादों का संज्ञान लिया है। इधर कांग्रेस में भी सत्ता में आने की स्थिति में 500 में गैस सिलेंडर, 5 लाख लोगों को 40 हजार रुपए की सहायता जैसी घोषणा की है। सुप्रीम कोर्ट की बात और कांग्रेस के वादों पर सवाल पूछने पर हरीश रावत ने कहा कि कोर्ट को यह भी साफ करना चाहिए कि आखिर पार्टियां किस हद तक घोषणाएं कर सकती हैं।

पश्चिमी यूपी में जीत दोहराने की चुनौती भाजपा के दिग्गजों ने संभाला मोर्चा

» अमित शाह, राजनाथ सिंह और जेपी नड्डा माहौल बनाने में जुटे

» किसान आंदोलन से हुए डैमेज को कंट्रोल करने की कर रहे हैं कोशिश

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। विधान सभा चुनाव को लेकर प्रदेश का सियासी पारा चढ़ गया है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और उससे सटे ब्रजक्षेत्र के जिलों से पहले चरण का मतदान शुरू हो रहा है। यहां से चुनाव की शुरुआत है। यहां भाजपा के सामने पिछली जीत दोहराने की चुनौती है। पार्टी नेतृत्व यहां किसान आंदोलन से हुए डैमेज को कंट्रोल करने की कोशिश में जुट गयी है। गृह मंत्री अमित शाह, अनुभवी राजनेता रक्षामंत्री राजनाथ सिंह और फायर ब्रांड मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित अन्य नेता मैदान में उतर चुके। वहीं राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा भी पश्चिमी उत्तर प्रदेश में मोर्चा संभाल चुके हैं।

कोरोना संक्रमण की वजह से अभी जनसभाओं पर रोक को देखते हुए भाजपा के प्रदेशस्तरीय पदाधिकारी और कार्यकर्ता ही नहीं बल्कि राष्ट्रीय स्तर के नेता भी घर-घर जनसंपर्क के लिए चुनाव मैदान में उतर आए हैं। इस बार फिर से तीन सौ से अधिक सीटें जीतने का दावा कर रही पार्टी प्रयास भी उतनी ही ताकत से कर रही है। संगठनात्मक कार्यक्रम कई महीनों से चल रहे हैं लेकिन अब पार्टी नेता सीधे मतदाता के द्वार पर दस्तक दे रहे हैं। सात चरणों में होने जा रहे इन विधान सभा चुनाव की शुरुआत पश्चिमी उत्तर प्रदेश और ब्रज क्षेत्र के जिलों से हो रही है इसलिए पार्टी ने वरिष्ठ नेताओं के लगातार कार्यक्रम भी तय कर दिए हैं। पिछले दिनों कैराना में जनसंपर्क कर चुके अमित शाह वृंदावन पहुंचे। यहां बांकेबिहारी मंदिर में दर्शन-पूजन के बाद पार्टी नेताओं से मुलाकात की। फिर मथुरा जिले के ही गोवर्धन विधान सभा क्षेत्र में पहुंचे और घर-घर जनसंपर्क किया। शाम को शाह गौतमबुद्धनगर पहुंचे और वहां अलग-अलग कार्यक्रमों से चुनाव प्रचार किया।

कानून व्यवस्था को बनाया हथियार

पश्चिमी उत्तर प्रदेश में सपा और रालोद गठबंधन कर भाजपा को चुनौती देने के लिए उतरे हैं। पश्चिमी में कई सीटों पर मुस्लिम मतदाता निर्णायक भूमिका में है तो रालोद जाटों को लामबंद करने में जुटा है। कृषि कानून विरोधी आंदोलन की यादें ताजा कर यह विपक्षी दल भाजपा से किसानों को दूर करने के लिए प्रयासरत है और कृषि कानूनों को पहले ही वापस लेकर बिजली बिल भी आधा कर चुकी भाजपा के नेता इस अंचल में कानून व्यवस्था के बड़े मुद्दे को अपना हथियार बनाकर विपक्षी दांव की काट में लगे हैं।

इसी तरह रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने गाजियाबाद में मतदाताओं से संवाद और घर-घर जनसंपर्क किया। वहीं, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बिजनौर और मुजफ्फरनगर में मतदाताओं के बीच विपक्ष पर हमलावर थे जबकि उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने हापुड़ में मोर्चा संभाला। सीएम योगी आदित्यनाथ मेरठ और हापुड़, केशव प्रसाद मौर्य आगरा, डिप्टी सीएम डा. दिनेश शर्मा मुरादाबाद और प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह गाजियाबाद में घर-घर जनसंपर्क किया।

उत्तराखंड चुनाव : परिवारवाद की छाया से बाहर नहीं निकल पायी कांग्रेस

» परिवारवाद को बढ़ावा देने में भाजपा भी पीछे नहीं

» हरीश रावत लालकुआं से तो उनकी बेटी अनुपमा हरिद्वार ग्रामीण सीट से चुनाव मैदान में

» भाजयुमो के नेताओं पर भाजपा के उच्च नेतृत्व ने नहीं जताया भरोसा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। एक परिवार-एक टिकट, पिता के बाद बेटे को मौका नहीं, महिलाओं की बढ़ती भागीदारी, युवाओं को राजनीति में मौका... जैसे राजनीतिक दलों के दावे हवाई जुमले बनकर रह गए। दोनों दलों के प्रत्याशियों की सूचियां जारी हो चुकी हैं। भाजपा ने आठ और कांग्रेस ने पांच महिलाओं को टिकट दिए। युवा मुख्यमंत्री की अगुवाई में चुनाव लड़ने जा रही भाजपा ने भाजयुमो के एक भी नेता पर भरोसा नहीं जताया जबकि कांग्रेस ने युवा कांग्रेस के दो नेताओं को टिकट दिया है। परिवारवाद के मोह में दोनों ही राजनीतिक दल फंसे नजर आ रहे हैं।

कांग्रेस : युवा कांग्रेस पर भरोसा

विधान सभा चुनाव की तैयारी की शुरुआत एक परिवार-एक टिकट के दावे के साथ करने वाली कांग्रेस इससे पीछा नहीं छुड़ा पाई। हालांकि युवाओं के मामले में कांग्रेस ने अपने युवा कांग्रेस संगठन पर भरोसा जताया है। महिलाओं के नजरिए से देखें तो कांग्रेस इस बार पांच महिलाओं पर भरोसा जता पाई है जबकि दो महिलाओं के नाम की घोषणा करने के बाद उन्हें सूची से हटा दिया गया। कांग्रेस ने हरिद्वार ग्रामीण में पूर्व सीएम हरीश रावत की बेटी अनुपमा रावत, मसूरी में गोदावरी थापली, भगवानपुर में ममता राकेश, रुद्रपुर से मीना शर्मा औ लैंसडोन से अनुकृति गुसाईं को टिकट दिया है जबकि हरिद्वार जिले की ज्वालापुर सीट पर बरखा रानी और लालकुआं सीट पर संध्या डालाकोटि का टिकट देने के बाद नाम वापस ले लिया गया। भाजपा की आठ महिला प्रत्याशियों के मुकाबले कांग्रेस ने पांच महिलाओं को टिकट दिए। युवाओं पर भरोसे की बात करें तो कांग्रेस ने दो टिकट युवाओं को दिए हैं। इनमें युवा कांग्रेस कोटे से जयेंद्र चंद रमोला को ऋषिकेश सीट से और ज्वालापुर से रवि बलदुर को टिकट दिया गया।

परिवारवाद के मामले में कांग्रेस ने तो को एक परिवार-एक टिकट के सिद्धांत का पालन कर पाई और न ही परिवारवाद से छुटकारा हासिल कर पाई। कैंट सीट पर वैभव वालिया और अभिनव थापर भी युवा कोटे से टिकट चाह रहे थे, लेकिन उनके अरमान पूरे नहीं हो पाए। पूर्व सीएम हरीश रावत लालकुआं से लड़ेंगे जबकि उनकी बेटी अनुपमा रावत हरिद्वार ग्रामीण सीट से चुनाव मैदान में उतारी गई है। वहीं यशपाल आर्य बाजपुर से लड़ेंगे जबकि उनका बेटा संजीव आर्य नैनीताल से चुनाव मैदान में है। पूर्व सांसद केसी सिंह बाबा के बेटे नरेंद्र चंद सिंह को पार्टी ने काशीपुर से टिकट दिया है। लैंसडोन विधानसभा सीट पर कांग्रेस ने पूर्व मंत्री व वरिष्ठ नेता हरक सिंह रावत की पुत्रवधू अनुकृति गुसाईं को टिकट दे दिया है। कुल मिलाकर देखें तो परिवारवाद की छाया से कांग्रेस भी बच नहीं पाई। इसके अलावा देहरादून कैंट में कार्यकर्ताओं के विरोध के बीच भाजपा ने दिवंगत विधायक हरबंस कपूर की पत्नी सविता कपूर को टिकट दिया है। पिथौरागढ़ में भाजपा ने दिवंगत वरिष्ठ नेता प्रकाश पंत की पत्नी चंद्रा पंत, सल्ट में दिवंगत विधायक सुरेंद्र सिंह जीना के भाई महेश जीना, कोटद्वार में पूर्व सीएम बीसी खंडूड़ी की बेटी ऋतु भूषण खंडूड़ी, सितारगंज में भाजपा के वरिष्ठ नेता व पूर्व सीएम विजय बहुगुणा के बेटे सौरभ बहुगुणा, काशीपुर में भाजपा के वरिष्ठ नेता व विधायक हरभजन सिंह चीमा के बेटे त्रिलोक सिंह चीमा को टिकट देकर यह साफ हो गया कि इस बार भाजपा परिवार में ही राजनीतिक विरासत संभालने की परंपरा से पीछा नहीं छुड़ा पाई है।

धामी सरकार के लिए भाजयुमो पर नहीं जताया भरोसा

भारतीय जनता पार्टी इस बार युवा मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की अगुवाई में युवा सरकार के दावे के साथ चुनाव मैदान में ताल ठोक चुकी है। डोईवाला को छोड़कर अभी तक 69 सीटों पर प्रत्याशी घोषित हो चुके हैं। इन प्रत्याशियों में भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेताओं पर केंद्रीय नेतृत्व ने भरोसा नहीं जताया। एक भी भाजयुमो नेता को भाजपा ने टिकट नहीं दिया है जबकि खुद के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी खुद युवा मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष जैसी अहम जिम्मेदारी से आगे बढ़े हैं। महिलाओं के नजरिए से देखें तो कांग्रेस के मुकाबले भाजपा का स्कोर बेहतर रहा है। भाजपा ने आठ महिलाओं को मैदान में उतारा है। इनमें केदारनाथ से शैला रानी रावत, कोटद्वार से ऋतु भूषण खंडूड़ी, नैनीताल से सरिता आर्य, देहरादून कैंट से सविता कपूर, खानपुर से कुंवरानी देवयानी, यमकेश्वर से रेनू बिष्ट, पिथौरागढ़ से चंद्रा पंत, सोमेश्वर से रेखा आर्य के नाम शामिल हैं। परिवारवाद के नजरिए से देखें तो भाजपा ने एक परिवार-एक टिकट के सिद्धांत का पालन तो किया है लेकिन परिवार में ही टिकट देने की परंपरा से छुटकारा नहीं पा सकी। खानपुर में भाजपा ने विधायक कुंवर प्रणव चैंपियन की पत्नी कुंवरानी देवयानी को प्रत्याशी बनाया है।

जिद... सच की

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma
@Editor_Sanjay

विश्व बाजार में तेल की बढ़ती कीमत और भारत

देश में बढ़ती महंगाई के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी डराने लगी हैं। विश्व बाजार में कच्चे तेल के दाम 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए हैं। यह बढ़त 2014 के बाद सबसे अधिक है और इसके अभी और बढ़ने की संभावना है। इसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा जरूरतों और महंगाई पर पड़ेगा।

देश में बढ़ती महंगाई के बीच अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतें भी डराने लगी हैं। विश्व बाजार में कच्चे तेल के दाम 90 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गए हैं। यह बढ़त 2014 के बाद सबसे अधिक है और इसके अभी और बढ़ने की संभावना है। इसका सीधा प्रभाव भारत की ऊर्जा जरूरतों और महंगाई पर पड़ेगा। सवाल यह है कि वैश्विक बाजार में बढ़ती तेल की कीमतें भारत को कितना प्रभावित करेंगी? क्या इसका असर बढ़ती औद्योगिक और व्यवसायिक गतिविधियों पर पड़ेगा? क्या तेल के बढ़ती कीमतें महंगाई को और बढ़ा देंगी? मुख्य तेल निर्यातक देश सऊदी अरब पर हूती विद्रोहियों के हमलों का असर तेल की आपूर्ति पर पड़ेगा? क्या भारत में पेट्रोलियम पदार्थों के दामों में की गयी कटौती पर इसका असर नहीं पड़ेगा? क्या पाबंदियों के बीच बढ़ती कीमतें रोजगार के साधनों पर सीधा असर नहीं डालेगी?

पिछले दो साल से कोरोना ने पूरी दुनिया को चपेट में ले रखा है। भारत में तीसरी लहर का दौर जारी है। संक्रमण को रोकने के लिए पाबंदियां लागू की गयी हैं। हालांकि लंबे लॉकडाउन के बाद पिछले एक वर्षों में औद्योगिक और व्यावसायिक गतिविधियां तेजी से बढ़ी हैं। उत्पादों को एक से दूसरे स्थान पहुंचाने के लिए पेट्रोल-डीजल की मांग भी बढ़ी हैं। सरकार ने तेल के बढ़ते दामों को कम करने के लिए करों में छूट दी है। बावजूद इसके जिस तरह अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल के दाम बढ़ रहे हैं वे बेहद चिंताजनक हैं और देश में सरकार के पेट्रोल-डीजल के दामों को स्थिर रखने की कोशिशों पर पानी फेर सकते हैं। वहीं तेल उत्पादक देशों ने मोटे मुनाफे के लिए एक ओर तेल उत्पादन में कटौती की है वहीं आयात शुल्क में भी बढ़ोतरी कर दी है। इसका असर तमाम देशों की अर्थव्यवस्था पर पड़ रहा है। ऐसे में अर्थव्यवस्था को सुधारने में लगे भारत को बड़ा झटका लग सकता है। रिजर्व बैंक के मुताबिक यदि कच्चे तेल के एक बैरल दाम में दस डॉलर की बढ़ोतरी होती है तो वित्तीय घाटे में आधा फीसदी की वृद्धि हो जाएगी। इससे देश का व्यापार संतुलन प्रभावित होगा। यह दीगर है कि हमारा निर्यात बढ़ रहा है लेकिन उसी अनुपात में आयात का बढ़ना चिंताजनक है। तेल आयात पर खर्च बढ़ने का असर बाजार पर दिखायी पड़ेगा और खाद्य पदार्थ से लेकर अधिकांश चीजें महंगी हो जाएंगी। कोरोना काल में जब लोगों के सामने रोजी-रोजगार का संकट है और नए उद्योग-धंधे स्थापित नहीं हो रहे हैं तब तेल के बढ़ते दाम चिंता बढ़ा रहे हैं। ऐसे में सरकार को चाहिए कि वह इस समस्या का कोई समाधान निकाले वरना अर्थव्यवस्था और आम जीवन पर इसका बेहद खराब असर पड़ेगा।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

आसान नहीं युवा मतदाताओं को लुभाना

सुभाष गुप्ता

विधान सभा चुनावों की घंटी बजने के बाद तमाम तरह के जोड़-तोड़ सामने आये हैं। अधिकांश प्रमुख दलों के उम्मीदवारों की सूचियां जारी हो रही हैं। इस सबके बीच निर्वाचन आयोग के फैसलों के मद्देनजर राजनीतिक दल चुनाव प्रचार में वर्चुअल माध्यमों का उपयोग कर रहे हैं। आजादी के बाद ऐसा पहली बार हो रहा है, जब मतदान के पहले चरण के इतना नजदीक आने के बाद भी सियासी दल भीड़ जुटाने की कवायद में नहीं जुटे हैं। फिलहाल रैलियों की जगह डिजीटल मीडिया से काम चलाया जा रहा है। बिल्कुल उसी तरह जैसे लॉकडाउन के दौरान आम लोगों ने बाजार की चाट की जगह घर की दाल रोटी से काम चलाया था।

चुनाव के प्रचार का अंदाज ही नहीं बदला है बल्कि नेताओं के 'टारगेट कस्टमर' यानि येन केन प्रकारेण जिन्हें लुभाना है, वे भी बदले-बदले नजर आते हैं। ये चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं कि नई उम्र के मतदाताओं की संख्या काफी हो गई है। इस चुनाव में पांच राज्यों में ऐसे मतदाताओं की तादाद 24.9 लाख है, जो पहली बार वोट डालेंगे। इनके अलावा युवा कहे जा सकने वाले मतदाताओं की भी बड़ी संख्या है। अकेले उत्तराखंड में करीब 57 प्रतिशत युवा मतदाता हैं और उ.प्र. में यह संख्या लगभग 26 प्रतिशत है। राजनीतिक दलों के रणनीतिकार जानते हैं कि युवाओं को पकी हुई उम्र के तमाम मतदाताओं की तरह आसानी से कोई मीठी या कड़वी गोली देकर अपने पक्ष में करना आसान नहीं है। वोटर की उम्र और विचारों में आया अंतर गहरी राजनीति समझ रखने वालों की बेचैनी का कारण बन रहा है। अधिकांश युवा किसी के परम्परागत वोटर नहीं हैं। यह नई पीढ़ी चाशनी में लिपटे शब्दों की मिठास और लुभावने वादों से कहीं ज्यादा अहमियत तर्कों और नतीजों को देती है। केवल नारे और वायदे सुनकर सुनहरे कल के दिवास्वपन में खो जाने की उम्मीद ऐसे वोटरों से अनुभवी राजनेताओं को भी नहीं ही होगी। जातिगत और क्षेत्रीयता से जुड़ी बातें ऐसे अधिकांश शिक्षित युवा वोटरों के लिए संकीर्णताओं से ज्यादा कुछ नहीं हैं। युवाओं को प्रलोभन भी ज्यादा नहीं लुभाते। टेबलेट, लैपटॉप या ऐसी किसी चीज का मोह कुछ को जरूर हो सकता है, लेकिन युवाओं की दिलचस्पी भविष्य संवारने वाले हालात और उनसे जुड़ी नीतियों में ज्यादा नजर आती है। नौकरी ही नहीं होगी तो इन

सबका क्या करेंगे? अधिकांश युवा सामान बांटने वाली राजनीति के बजाय आगे बढ़ाने और रोजगार के नए अवसर पैदा करने की उम्मीद जगाने वालों को पसंद करें तो हैरत नहीं होनी चाहिए। युवाओं की सबसे बड़ी चिंता उनके भविष्य और रोजगार से जुड़ी हुई है। इन वोटरों से कुछ भी छिपाना आसान नहीं है।

कोई दावा हो या कमेंट, आईटी में अच्छा खासा दखल रखने वाले युवा खूब जानते हैं कि उसकी सच्चाई को कैसे जांचा परखा जाता है। लिहाजा, इन्हें लुभाने के लिए बहुत सोच समझ कर बोला गया झूठ भी ज्यादा देर टिक सकेगा, यह सोचना इनकी काबलियत को कम करके आंकने जैसा होगा। आरोप-प्रत्यारोप और कीचड़ उछालने वाली राजनीति नए मतदाताओं को आकर्षित नहीं करती। सच ये है कि नई पीढ़ी, राजनीति को केवल देख-सुन ही नहीं रही है बल्कि इसे परख भी रही है। कौन कितना गिर रहा है और अपने फायदे के लिए कौन कितना गिर सकता है, यकीन मानिये नई पीढ़ी इसका अपने तरीकों से आंकलन भी करती है। ये मैजिक बुलेट थ्योरी वाले कम्युनिकेशन का दौर नहीं है। अब यह सोचना भी आश्चर्यजनक लगता है कि किसी दौर में सूचनाएं या सच जानने का केवल एक या दो साधन होता होगा, अब हर सूचना को जानने परखने के साधनों का अम्बार लगा हुआ है। जो सूचना किसी माध्यम से परोसी जाती है, उसका सच सामने लाना भी नई पीढ़ी जानती है। नई पीढ़ी को फिजा में घोला जाने वाला जहर भी ज्यादा प्रभावित नहीं करता है। भारी भरकम सर्वे या इमेज बिल्डिंग के विशेषज्ञों के पैंतरे भी युवाओं को भेड़ा चाल के लिए प्रेरित नहीं करते। युवा सोच को समझने वाले बाखूबी जानते हैं कि उन्हें प्रभावित करने का काम केवल भरोसा जीतकर किया जा सकता है। शिक्षित और साफ-सुथरे उम्मीदवारों, भरोसा पैदा करने वाली नीतियों और नयापन अपनाने वाली सोच उन्हें प्रभावित करती है। उन्हें दकियानुसी समझ लेना किसी भी दल या उम्मीदवार को बहुत महंगा पड़ सकता है। आज का युवा घर की चाहरदीवारी में रहकर भी पूरी दुनिया से जुड़ा हुआ है। उद्योग, आई.टी. और दूसरे सैक्टरों में बुनियादी ढांचे के विकास से युवाओं के सपने जुड़े हैं, इन्हें नजरअंदाज करके और दागों को धो-पोंछकर युवाओं का दिल जीतना आसान नहीं होगा।

वैक्सीन से मिली इम्युनिटी में ओमीक्रॉन से वृद्धि

मुकुल व्यास

वैक्सीन की संपूर्ण डोज लेने वाले लोगों में यदि ओमीक्रॉन का संक्रमण होता है तो वह न सिर्फ खुद के खिलाफ इम्युनिटी उत्पन्न करता है बल्कि कोरोना वायरस के दूसरे वेरिएंट्स से बचाव में वृद्धि करता है। सेन फ्रांसिस्को स्थित कैलिफोर्निया विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने प्रयोगशाला में चूहों पर किए गए प्रयोगों के आधार पर यह निष्कर्ष निकाला है। अध्ययन से यह भी पता चला कि वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों में ऐसी एंटीबॉडीज उत्पन्न नहीं हुई जो कोरोना वायरस के दूसरे वेरिएंट्स को निष्प्रभावी कर सकें। विश्वविद्यालय की वरिष्ठ शोधकर्ता मेलेनी ओट ने कहा कि हमारे निष्कर्षों से पता चलता है कि ओमीक्रॉन का संक्रमण वैक्सीनों से उत्पन्न इम्युनिटी में वृद्धि करता है लेकिन वह अपनी तरफ से वैक्सीन नहीं लगवाने वाले लोगों में एक व्यापक इम्युनिटी उत्पन्न नहीं करता।

वैज्ञानिक यह जानने की कोशिश कर रहे हैं कि सार्स-कोव-2 वायरस की विविध किस्मों के उदय के बाद क्या एक वेरिएंट दूसरे वेरिएंट के खिलाफ इम्युनिटी प्रदान कर सकता है। एक वायरस या वेरिएंट द्वारा दूसरे वेरिएंट के खिलाफ उत्पन्न इम्युनिटी को 'क्रॉस प्रोटेक्शन' कहा जाता है। डेल्टा वेरिएंट की तुलना में ओमीक्रॉन वेरिएंट का आनुवंशिक नक्शा बहुत बदला हुआ है। भारत में कोविड की दूसरी लहर डेल्टा वेरिएंट की वजह से उत्पन्न हुई थी और अब विश्व में डेल्टा के साथ-साथ ओमीक्रॉन का भी संक्रमण बढ़ रहा है। ओमीक्रॉन उन लोगों को संक्रमित कर सकता है जिन्हें पहले कोविड हो चुका है या जिन्होंने वैक्सीन के दोनों डोज लगवाए हैं। डेल्टा से होने वाले संक्रमण में फेफड़ों की गंभीर बीमारी का खतरा रहता है जबकि ओमीक्रॉन कम गंभीर बीमारी उत्पन्न करता है और इसके लक्षण ज्यादातर ऊपरी श्वास प्रणाली तक ही सीमित रहते हैं। कुछ वैज्ञानिकों का ख्याल है कि ओमीक्रॉन के तेजी से फैलने से सामूहिक प्रतिरक्षण में मदद मिल सकती है। ओट और उनकी सहयोगियों ने प्रयोगों में यह दर्शाया है कि डेल्टा संक्रमण चूहों में व्यापक इम्युनिटी उत्पन्न कर सकता है जबकि ओमीक्रॉन से संक्रमित चूहों की एंटीबॉडीज सिर्फ ओमीक्रॉन को ही निष्प्रभावी कर सकती है। वैक्सीन की दोनों डोज लेने वाले लोगों में ओमीक्रॉन और डेल्टा के संक्रमण के मामलों में मानव सीरम के विश्लेषण से पता चलता है कि टीके लगवाने वाले लोगों में दोनों वायरस की वजह से कारगर निष्प्रभावीकरण हुआ। इस खोज का अर्थ यह है कि वैक्सीन की दोनों डोज लेने वाले व्यक्ति ओमीक्रॉन या डेल्टा से संक्रमित होने के बाद दूसरे स्ट्रेन या वेरिएंट के खिलाफ इम्यून सुरक्षा हासिल कर लेते हैं। डेल्टा वेरिएंट वैक्सीन ले चुके लोगों को दोबारा संक्रमित कर सकता है लेकिन उसका संक्रमण ओमीक्रॉन की तुलना में कम स्तर पर होता है। वैक्सीन निर्माता कोरोना वायरस के विभिन्न वेरिएंट्स के खिलाफ इम्यून रिस्पांस उत्पन्न करने के लिए 'मल्टीवेलेंट वैक्सीन' बनाना चाहते हैं। ओट और उनकी टीम का ख्याल है कि उनकी खोज इस तरह की समग्र वैक्सीन का डिजाइन तैयार करने में मदद कर सकती है। यदि इस वैक्सीन में ओमीक्रॉन और डेल्टा आधारित इम्यून रिस्पांस को समाहित किया जाए तो वह अनेक वेरिएंट्स के खिलाफ व्यापक इम्युनिटी प्रदान कर सकती है। एक अन्य अध्ययन से पता चला है कि एक कोरोना वायरस वैक्सीन दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ भी सुरक्षा प्रदान कर सकती है। यह महत्वपूर्ण खोज अमेरिका की नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने की है। उन्होंने पहली बार यह पता लगाया है कि कोविड फैलाने वाले कोरोना वायरस से बचाव के लिए विकसित वैक्सीन और कोरोना वायरस के पिछले संक्रमण इसी तरह के दूसरे कोरोना वायरसों के खिलाफ विस्तृत इम्युनिटी प्रदान कर सकती है। यह खोज एक यूनिवर्सल कोरोना वायरस वैक्सीन की आवश्यकता को रेखांकित करती है। यूनिवर्सल वैक्सीन वह होती है जो एक विशिष्ट वायरस परिवार की समस्त किस्मों और वेरिएंट से बचाव करने में सक्षम हो। इस तरह की वैक्सीन भविष्य में होने वाली महामारियों से निपटने में सहायक होंगी। नॉर्थ वेस्टर्न यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर और इस अध्ययन के प्रमुख लेखक पाब्लो पेनालोजा-मैकमास्टर ने बताया कि इस अध्ययन से पहले यह बात स्पष्ट नहीं थी कि यदि कोई व्यक्ति एक कोरोना वायरस से संक्रमित हो चुका है तो क्या वह दूसरे कोरोना वायरसों से बच सकता है ? हमारे अध्ययन ने यह दिखा दिया है कि ऐसा हो सकता है। कोरोना वायरस के मुख्य तीन परिवार मनुष्यों में रोग फैलाते हैं। ये हैं सरबिकोवायरस, एंबिकोवायरस और मर्बिकोवायरस। सरबिकोवायरस में सार्स-कोव-1 और सार्स-कोव- 2 शामिल हैं। सार्स -कोव-1 ने 2003 में सार्स (सीवियर एक्यूट रेस्पिरेटरी सिंड्रोम) बीमारी फैलाई थी जबकि सार्स-कोव-2 वर्तमान कोविड महामारी के लिए जिम्मेदार है। एंबिकोवायरस में ओसी 43 वायरस शामिल है, जिसकी वजह से सामान्य सर्दी-जुकाम होता है। मर्बिकोवायरस मेर्स बीमारी के लिए जिम्मेदार है जो 2012 में फैली थी। अध्ययन से पता चला कि कोविड वैक्सीन लगवा चुके लोगों के प्लाज्मा द्वारा उत्पन्न एंटीबॉडीज ने सार्स कोव-1 वायरस और सामान्य सर्दी-जुकाम फैलाने वाले कोरोना वायरस ओसी 43 के खिलाफ भी सुरक्षा प्रदान की। शोधकर्ताओं ने पता लगाया कि कोरोना वायरस के पिछले संक्रमण दूसरे कोरोना वायरसों के नए संक्रमणों से सुरक्षा प्रदान करते हैं। लिहाजा प्रत्येक कोरोना वायरस परिवार के लिए एक अलग वैक्सीन बनाने की दिशा में काम किया जा सकता है।

खायें हरी मिर्च मिलेंगे ढेरों फायदे

अमूमन खाने को जायकेदार बनाने के लिए हम क्या कुछ नहीं करते हैं। तरह-तरह के मसालों से लेकर नमक की मात्रा तक हर चीज का काफी बारीकी से ध्यान रखा जाता है। लेकिन मिर्ची के बिना हर डिश का स्वाद अधूरा सा लगता है। हम अक्सर हरी मिर्च का इस्तेमाल खाने में तीखे का तड़का लगाने के लिए करते हैं। मगर क्या आप जानते हैं कि खाने को लजीज बनाने के साथ ही हरी मिर्च हमारी सेहत के लिए भी काफी फायदेमंद होती है? बता दें कि हरी मिर्च इसलिए फायदेमंद है क्योंकि ये आयरन, कॉपर, पोटैशियम, प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, बीटा कैरोटीन, क्रीप्टोक्सान्थिन, लुटेन जॅक्सन्थिन, विटामिन ए, बी6 और सी जैसे पोषक तत्वों से भरपूर होती है। तो आइए आज हम आपको बताते हैं कि हरी मिर्च खाने से आपकी सेहत को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं। इनको जानने के बाद आप केवल सब्जी और बाकी डिश में ही नहीं बल्कि खाने के दौरान अलग से भी हरी मिर्च खाने के बहाने तलाशेंगे। आइये जानते हैं इन फायदों के बारे में।

हरी मिर्च को विटामिन ई और विटामिन सी का अच्छा सोर्स माना जाता है। जो त्वचा को हेल्दी रखने का काम करता है और साथ ही स्किन को ग्लोइंग भी बनाता है।

आंखों की रोशनी बढ़ाने में सहायक

हरी मिर्च आंखों को सेहतमंद बनाती है। दरअसल, हरी मिर्च में भरपूर मात्रा में विटामिन ए होता है, जो आंखों की रोशनी को बढ़ाने के साथ-साथ आंखों का खास ख्याल भी रखती है।

इम्यूनिटि बूस्टर है हरी मिर्च

हरी मिर्च में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल गुण शरीर को बैक्टीरिया फ्री रखने में सहायक हैं, जिसके कारण हरी मिर्च इम्यूनिटी बूस्ट करने का काम करती है।

पाचन शक्ति करती है मजबूत

हरी मिर्च में एंटी ऑक्सीडेंट और डाइट्री फाइबर भरपूर मात्रा में पाया जाता है। जो न सिर्फ पाचन क्रिया को दुरुस्त रखने का काम करता है, बल्कि पेट से संबंधित कब्ज और गैस जैसी समस्याओं के लिए काफी लाभकारी होता है।

वजन कम करने में सहायक

वर्तमान में हर दूसरा इंसान बढ़ते वजन के कारण परेशान है। जिसका एक समाधान हरी मिर्च भी है। हरी मिर्च में भरपूर मात्रा में एंटी-ऑक्सीडेंट होने के अलावा यह कैलौरी फ्री भी होती है। जो कि वजन कम करने में सहायता करती है।

दिल की सेहत रखती है दुरुस्त

हरी मिर्च पोषक तत्वों का खजाना है। इसे अपनी डाइट में शामिल करने से तमाम फायदों के अतिरिक्त हार्ट का बल्ड सर्कुलेशन भी बेहतर बना रहता है।

तनाव कम करने में मददगार

हरी मिर्च का सेवन मस्तिष्क की कोशिकाओं में एंडोर्फिन के बहाव को दुरुस्त करता है। जिससे गुस्सा कम आने के साथ-साथ आपका मूड भी बिल्कुल लाइट और चिल रहता है।

हंसना मना है

बेटा-मम्मी एक ग्लास पानी देना मां-खुद उठ के पी ले बेटा- प्लीज, दे दो ना मां- अब अगर पानी मांगा तो वहीं आकर थप्पड़ मारूंगी बेटा- ठीक है जब थप्पड़ मारने आओ तो पानी लेती आना.

पति-पत्नी एक ही प्लेट में गोलगप्पे खा रहे थे तभी पति अपनी पत्नी की आंखों में आंखें डालकर देखने लगा... पत्नी मुस्कुराते हुए बोली...ऐसे क्या देख रहे हो जी? पति- थोड़ा आराम से खा मोटी, मेरी बारी ही नहीं आ रही.

एक लड़की की ब्वॉयफ्रेंड से बहुत दिन से बात नहीं हुई थी... लड़की ने रोमांटिक होकर फेसबुक पर अपडेट किया धीरे-धीरे से मेरी जिंदगी में आना थोड़ी देर बाद लड़के का कमेंट आया - धीरे-धीरे ही आ रहा था, तेरे मोहल्ले वालों ने चोर समझ कर पीट दिया...!

मुझे भी देखने दो, किसका एक्सीडेंट हुआ है...? मोनू ने भीड़ को हटाते हुए बोला... जब कोई हटा नहीं, तो वह चिल्लाता हुआ बोला- जिसका एक्सीडेंट हुआ है, मैं उसका बेटा हूं... रास्ता मिल गया और मोनू ने देखा तो एक बंदर मरा पड़ा था...!

नितिन उदास बैठा था... रवि- क्या हुआ, उदास क्यों बैठा है? नितिन- क्या बताऊं यार, किसी ने कहा कि पेड़ से हमें शीतल छाया मिलती है। मैं यहां पेड़ के नीचे तीन दिन से बैठा हूं, लेकिन न तो शीतल आयी और न छाया...!

कहानी — दक्षिणा के धन

एक बार एक ग्रंथी, मौलवी और पंडित फुरसत के लम्हों में गुफ्तगू कर रहे थे। चर्चा का विषय था कि ये लोग पूजा के दौरान मिली दक्षिणा किस तरह उपयोग करते हैं। विषय बड़ा नाजुक था। सवाल व्यक्तिगत आवश्यकताओं और पूजास्थल की देखभाल के बीच दक्षिणा के धन के सामंजस्य का था। पुजारी बोले कि भाई मैं तो दैनिक आरती के बाद पूजा का थाल बीच हाल में रख देता हूँ। भक्तजन अपने स्थान से दान दक्षिणा के सिक्के उछाल देते हैं। जितने थाली में गिरते हैं उतने मेरे दैनिक खर्च के लिये उपयोग हो जाते हैं, शेष प्रभु के भोग, श्रैगार और मंदिर के रखरखाव में। मौलवी जी का भी कमोबेश यही तरीका निकला। वे बोले मैं भी नमाज के बाद अपनी चादर फैला देता हूँ। नमाजी खैरात उछालते हैं, अल्लाह के फजल से जितनी चादर मे गिरी वह इस बांदे की, बाकी अल्लाह के घर की साजो संभाल में खर्च हो जाती है। ग्रैथी जी कसमसाये और तल्ख स्वर में बोले तुम लोग ऊपरवाले की नेमत की इस तरह तौहीन करते हो, तभी तो लगता है कि महीनों से कुछ खाया ही नही। मौलवी जी और पंडित दोनों चौके और पूछ बैठे ग्रंथी जी , भला हम कया गलत करते हैं। आप ही बताइयें आप चढ़ावे का क्या करते हैं? लेकिन दोनों की लाख मनौव्वल के बाद भी ग्रंथी जी ने अपनी सफेद चिकनी दाढ़ी पर हाथ फेर कर सिर्फ यही फर्माया कि रूपया पैसा ऊपरवाला बख्शता है। उसे इस तरह उछलवा कर आप लोग ऊपर वाले की ही बेइज्जती करते हो। आप कल खुद ही गुरद्वारे आकर देख लेना कि चढ़ावे के सही इस्तेमाल का तरीका क्या है? अगले दिन तड़के मोलवी जी और पंडित दोनों गुरूद्वारे पहुंचे। पूजापाठ के बाद वे देखते क्या हैं कि ग्रैथी जी ने भक्तों को एक चादर पर तमीज से पैसे चढ़ाने को कहा। फिर पोटली बाँध कर आसमान में उछाल दी और चिल्लाये वाहे गुरू, यह तेरी नेमत है, जितनी चाहे रख ले बाकी अपने इस बंदे को बख्श दे। उधर पोटली वापस ग्रंथी जी के हाथो में वापस गिरी इधर मौलवी जी और पंडित दोनो गश खाकर जमीन पर।

5 अंतर खोजें

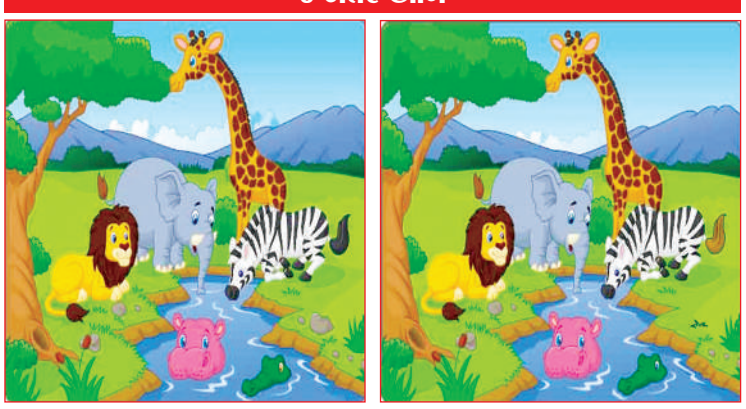

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष

प्रेमी के साथ किसी यात्रा पर जाने का प्लान बन सकता है। पार्टनर के साथ मन मुटाव होने की संभावना है। अपनी भावनाएं किसी पर नहीं थोपें। वाणी पर संयम रखें। मन में प्रसन्नता रहेगी।

वृषभ

आज पार्टनर से मिलने के लिए उत्सुक रहेंगे। आज का दिन रोमांस में गुजरेगा। इस राशि के लोगों का मन उत्साहित रहेगा। पति-पत्नी के बीच प्यार बढ़ेगा।

मिथुन

शाम को प्रेमी के साथ समय बिताएंगे। आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है। पार्टनर के साथ घूमने का प्लान बना सकते हैं।

कर्क

प्रेमी से शारीरिक संबंध मजबूत हो सकते हैं। प्रेम संबंधों का बनाए रखने के लिए कुछ बातें इग्नोर करना पड़ेगा। आज पार्टनरसे बहस करने से बचें। जज्बाती होने से कई छोटे मुद्दे बढ़ सकते हैं।

सिंह

आज के दिन शुरू हुई रिलेशनशिप सफल हो सकती है। प्रेमी से कोई उपहार मिल सकता है। आज नए रिश्ते में व्यस्त रहेंगे। आज पार्टनर आपको प्यार का इजहार कर सकता है।

कन्या

किसी बात को लेकर पार्टनर से झगड़ा हो सकता है लेकिन बाद में सब सही हो जाएगा। पार्टनर की तरफ से आज आपको खूब प्यार मिल सकता है। प्रेमी के मन का ख्याल रखें। प्रेमी की सेहत का ख्याल रखें।

तुला

अविवाहित लोगों को शादी के लिए प्रपोजल मिल सकता है। कुछ लोगों के विवाह के योग हैं। आज का दिन पति-पत्नी के लिए अच्छा रहेगा। पार्टनर की कोई बात आपको परेशान कर सकती है।

वृश्चिक

आज से शुरू हुई रिलेशनशिप लंबे समय तक चलेगी। आज आप किसी की ओर आकर्षित हो सकते हैं। अपनी भावनाएं ना थोपें। पार्टनर के साथ समय बिताएंगे।

धनु

पति-पत्नी के बीच अनबन हो सकती है। आज के दिन आप खुश रहेंगे। पार्टनर से अच्छी खबर मिल सकती है। प्रेमी से अपने संबंधों को लेकर गंभीर बात कर सकते हैं।

मकर

आप जितना सहज और सच्चे रहेंगे उतना ही लोग आपकी ओर आकर्षित होंगे। प्रेमी की आज कोई बात परेशान कर सकती है, जिससे आप निराश रहेंगे। इस सप्ताह अविवाहित लोगों को शादी का प्रपोजल मिल सकता है।

कुम्भ

कुंभ राशि के जातक किसी दोस्त की ओर आकर्षित होंगे। आज आपका मूड रोमांटिक रहेगा। जो लोग किसी को प्रपोज करने का मन बना रहे हैं उन्हें सफलता मिलेगी।

मीन

अविवाहित लोगों की शादी की बात चल सकती है. काम के सिलसिले में आप बाहर जा सकते हैं। प्रेमी की सेहत को लेकर चिंता करेंगे। नई संभावना पर गंभीरता से विचार करें। पति-पत्नि के बीच मन-मुटाव हो सकता है।

अगले महीने रिलीज होगी

गंगूबाई काठियावाड़ी

संजय लीला भंसाली द्वारा निर्देशित और आलिया भट्ट स्टारर फिल्म गंगूबाई काठियावाड़ी की रिलीज डेट का एलान हो गया है। इस बहुप्रतीक्षित फिल्म की रिलीज डेट कई बार टलने के बाद आखिरकार ये अगले महीने यानी 25 फरवरी को रिलीज होने जा रही है। संजय लीला भंसाली ने कुछ देर पहले ही इसकी घोषणा की है।

लेडी डॉन के किरदार में आलिया

इस फिल्म में आलिया भट्ट गंगूबाई का किरदार निभा रही हैं। आलिया फिल्मों में दमदार किरदार निभाती हैं, लेकिन पहली बार वो डॉन के किरदार में नजर आने वाली हैं। काफी पहले इस फिल्म का ट्रेलर भी रिलीज हो चुका है। हालांकि इसका ट्रेलर फैंस को कुछ खास पसंद नहीं आया था। आलिया के वर्कफ्रंट की बात करें तो गंगूबाई काठियावाड़ी के अलावा वो फिल्म आरआरआर में नजर आने वाली हैं। ये फिल्म जनवरी में ही रिलीज होने वाली थी लेकिन इसकी भी रिलीज पोस्टपोन कर दी गई। इसके अलावा वो रणबीर कपूर के साथ फिल्म ब्रह्मास्त्र में नजर आने वाली हैं। दर्शक रणबीर और आलिया को पहली बार स्क्रीन पर साथ देखने के लिए काफी उत्साहित हैं। आलिया रणवीर सिंह के साथ रॉकी और रानी की प्रेम कहानी का भी हिस्सा बनेंगी जिसका एलान कुछ महीनों पहले ही हुआ है।

18 फरवरी को रिलीज होने वाली थी फिल्म

संजय लीला भंसाली के निर्देशन में बन रही गंगूबाई काठियावाड़ी काफी लंबे समय से चर्चा में है। बता दें कि फिल्म निर्देशक संजय लीला भंसाली, आलिया भट्ट और फिल्म के दूसरे स्टार कास्ट को कोरोना हो गया था और इसके कारण भी फिल्म की शूटिंग पूरा होने में वक्त लग गया। पिछले साल नवंबर में फिल्म की रिलीज डेट 18 फरवरी 2022 तय की गई थी, हालांकि कोरोना के बढ़ते हुए मामलों को देखते हुए इसकी रिलीज डेट डाल दी गई।

बॉलीवुड | मसाला

बॉलीवुड | मन की बात

अंकिता लोखंडे ने बताई विक्की जैन संग शादी की वजह

टी वी की अर्चना यानी अंकिता लोखंडे ने हाल ही में अपने बॉयफ्रेंड विक्की जैन से शादी रचाई है। दोनों ने मुंबई के पांच सितारा होटल में शाही अंदाज में सात फेरे लिए। अंकिता और विक्की ने अपनी शादी में पानी की तरह पैसा बहाया। ये बात तो हम सभी जानते हैं कि विक्की से पहले अंकिता और विक्की 2018 से एक दूसरे को जानते हैं। हाल ही में जब अंकिता ने पूछा गया कि उन्होंने इंडस्ट्री से बाहर जाकर विक्की से शादी क्यों की? इस पर एक्ट्रेस ने जो जवाब दिया उसे सुनकर आप हैरान रह जाएंगे। आपको बता दें शादी के बाद विक्की ने अपनी पत्नी अंकिता को मालदीव्य में एक शानदार विला गिफ्ट किया है। जिसकी कीमत 50 करोड़ रुपये भी ज्यादा बताई जा रही है। इतना ही नहीं, विक्की और अंकिता ने हाल ही में अपना नया घर भी खरीदा है। अंकिता ने भी विक्की के लिए एक प्राइवेट याच खरीदा है, इसकी कीमत 8 करोड़ रुपये है। अंकिता अपनी शादी को लेकर हमेशा से ही उत्साहित थीं और बड़े ही धूमधाम से शादी करना चाहती थीं और ऐसा हुआ भी। विक्की जैन और अंकिता की शादी की तस्वीरें सोशल मीडिया पर खूब वायरल हुई थीं। अंकिता और विक्की ने एक-दूसरे को साल 2018 में डेट करना शुरू किया था। विक्की जाने माने बिजनेसमैन हैं। अंकिता ने कहा- 'मैंने शादी इसलिए की ताकि मैं पार्टी कर सकूं। आप जानते हैं कि हमने तीन दिनों तक पार्टी की थी? हम सिर्फ पैसा खर्च करना चाहते थे'। अंकिता लोखंडे ने ये भी खुलासा किया कि उन्होंने अपनी शादी के तुरंत बाद 3 रातों के लिए पार्टी की थी।

नागिन फेम सुरभि ज्योति पर चढ़ा बोल्डनेस का खुमार

सुरभि ज्योति इन दिनों अपने शोज से ज्यादा लुक्स के कारण सुर्खियां बटोर रही हैं अक्सर वह फैंस के सामने अपना बोल्ड अंदाज और परफेक्ट फिगर फ्लॉन्ट करती दिखती हैं। अब एक बार फिर से सुरभि ने अपने हॉट अवतार से लोगों के होश उड़ाए हैं। दरअसल, सुरभि सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैंस के साथ अपने फोटोशूट की झलक शेयर करती रहती हैं। अब एक बार फिर से सुरभि ने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ फोटोज पोस्ट की हैं, इसमें उन्हें काफी बोल्ड अंदाज में देखा जा रहा है। यहां उन्होंने जालीदार ड्रेस पहनकर फोटोशूट करवाया है।

बॉलीवुड | छोटा पर्दा

सुरभि ने इस जालीदार वनपीस ड्रेस के साथ लैदर का ओवर कोट कैरी किया है। उन्होंने यहां अपने लुक को कंप्लीट करने के लिए लाइट पीस शेड की हाई हील्स पहनी हैं। इसके साथ उन्होंने बालों को खुला छोड़ा है और नो-मेकअप लुक रखा है। यहां वह जमीन पर बैठकर अलग-अलग पोज दे रही हैं। सुरभि ने इन फोटोज को शेयर करते हुए इसके साथ कैप्शन में लिखा, चलो विंटेज लुक ट्राई करते हैं। अब इस अवतार में एक्ट्रेस बेहद हॉट दिख रही हैं। फैंस उनके इस लुक पर मर मिटे हैं। अब तक उनकी फोटोज पर लाखों लाइक्स और कमेंट्स आ चुके हैं। जहां एक फैंस उनकी खूबसूरती के दीवाने हो गए है, वहीं उनकी बेबाकी देख थोड़े हैरान भी हो रहे हैं।

बारिश की बूंदें क्यों होती हैं गोल जानिए इसके पीछे का रहस्य

दुनिया में हमारे आस-पास कई घटनाएं होती हैं, लेकिन उनके बारे में हमें जानकारी नहीं होती है। हम सभी बचपन से ही बारिश और ओस की बूंदों को देखते आ रहे हैं। लेकिन सबसे बड़ी बात यह है कि आखिर ये बूंदे गोल ही क्यो होती हैं? जैसे लगता है कि उनको किसी सांचे में ढाला गया हो। अगर पानी को किसी चीज में डाल दें, तो वह उसके आकार में ही ढल जाता है। लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिर ये बूंदें गोल ही क्यों होती हैं। आईए जानते हैं कि बारिश और ओस की बूंदें आखिर गोल आकार की ही क्यों होती हैं। आपने बचपन में जब फिजिक्स की पढ़ाई की होगी तो आपको पृष्ठ तनाव के बारे में जरूर पढ़ाया गया होगा, लेकिन इसके पीछे वैज्ञानिक की वजह क्या है यह कभी जानने की कोशिश नहीं की गई। बारिश की बूंदों के गोल होने की वैज्ञानिक वजह भी है। पृष्ठ तनाव की वजह से पानी की बूंदें गोल आकार की होती हैं। हम पानी को जिस बर्तन में रखते हैं, वह उसका आकार ले लेता है। अभी भी आपके मन में सवाल खड़ा हो रहा होगा कि आखिर बारिश की बूंदें क्यों गोल होती हैं। पानी की बूंदें जब स्वतंत्र होकर गिरती हैं, तो वह न्यूनतम आकार लेने का प्रयास करती हैं। इसकी वजह से बारिश की बूंदें गोल आकार की होती हैं। गुरुत्वाकर्षण की वजह से सबसे न्यूनतम आकार गोलाकार होता है। पानी की बूंदें जैसे जैसे छोटी होती जाती हैं और वह गोलकार का रूप लेती जाती हैं। दूसरी किसी चीज से गोल आकार का क्षेत्रफल कम होता है जिसकी वजह से बारिश की बूंदें गोल हो जाती हैं। बारिश के अलावा कोई भी द्रव पृथ्वी के पास जैसे जैसे आता है और वह बूदों का रूप ले लेता है। पृष्ठ तनाव की वजह से बूंदों का आकार गोल होता है।

अजब-गजब | आज तक नहीं चला इसका पता

लैंड होने से कुछ देर पहले ही आसमान में गायब हो गया था यात्रियों से भरा विमान

दुनियाभर में तमाम ऐसी घटनाएं हुई हैं जिन पर यकीन नहीं किया जा सकता है। कुछ घटनाएं आज भी इंसानों के लिए रहस्य बनी हुई है। एक ऐसी ही घटना साल 2016 में हुई, जब इजिप्ट एयरलाइंस का एक विमान आसमान में गायब हो गया। ये विमान लैंड होने ही वाला था कि उससे बीस मिनट पहले ही गायब हो गया, जिसका आज तक कोई पता नहीं चला। मिस्र में कायरो एयरपोर्ट के लिए इजिप्ट एयरलाइंस के विमान एयरबस-320 ने उड़ान भरी थी।

इस विमान में कुल 66 यात्री सवार थे लेकिन ये विमान लैंड करने से पहले आसमान में ही गायब हो गया। इस रहस्यमय घटना के इतने साल बीत जाने के बाद भी इस विमान का कोई पता नहीं चला। न तो विमान का मलवा मिला और ना ही किसी यात्री का शव। इजिप्ट एयरलाइंस का पैसेंजर प्लेन एयरबस-320 ने 18 मई 2016 को पेरिस से मिस्र के कायरो शहर के लिए उड़ान भरी। इस यात्रा में विमान को चार घंटे का समय लगता, लेकिन तीन घंटा 40 मिनट की उड़ान के बाद ये विमान अचानक से गायब हो गया। लैंड करने से केवल बीस

मिनट पहले ही विमान का संपर्क एटीसी से टूट गया। तमाम कौशिश की गई कि विमान से दोबारा संपर्क हो जाए, लेकिन हर कोशिश नाकाम हो गई। आखिर में ये अंदाजा लगाया गया कि ये विमान आतंकियों ने हाईजैक कर लिया होगा। हालांकि इसके कोई संकेत नहीं मिले। इसके बाद फिर यह माना गया कि शायद विमान कहीं दुर्घटनाग्रस्त हो गया होगा। इसको लेकर फिर तलाशी अभियान शुरू हुआ। कई महीनों तक और कई देशों में विमान की खोजबीन चलती रही, लेकिन कुछ हाथ नहीं लगा। इस विमान की गुमशुदगी को लेकर दोनों देशों के एयरपोर्ट पर माथापच्ची शुरू हुई. कुछ ही देर में फ्रांस के राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांदे का एक बयान सामने आता है कि लापता एयरबस के सही सलामत मिलने की कोई उम्मीद नहीं है. इस गुमशुदगी को लेकर किसी भी थ्योरी को खारिज नहीं किया जा सकता है। यह किसी तरह की आतंकवादी कार्रवाई भी हो सकती है या कोई हादसा। उसके बाद इस विमान का आज तक कोई सुराग नहीं लगा। इस विमान में कुल 66 लोग सवार थे, जिसमें 56 यात्री और 10 चालक दल के सदस्य शामिल थे। यह जहाज 20 मिनट में ही अपने गंतव्य स्थल पर पहुंचने वाला था लेकिन, यह अचानक रडार की पकड़ से बाहर हो गया। इसके बाद इस जहाज से संपर्क बनाने की कई तरह की कोशिश की गई लेकिन सब नाकाम रही।

कानपुर : मिठाई के कारखाने में आग, दो जिंदा जले

» दमकल जवानों ने छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर पाया काबू

» सिलेंडर लीक होने से लगी आग

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

कानपुर। कलक्टरगंज थाना क्षेत्र के काहू कोठी में स्वीट हाउस के कारखाने में लीकेज सिलेंडर से आग लग गई। सीढ़ियों के रास्ते में मिठाई , चीनी और घी के डिब्बे रखे होने से आग भड़क गई। लपटों ने तीनों मंजिल को चपेट में ले लिया, जिसमें दो कर्मचारियों की जलकर मौत हो गई। दमकल की गाड़ियों ने करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

स्वरूप नगर निवासी बनवारी लाल गुप्ता की काहूकोठी में राजकिशोर स्वीट्स के नाम से दुकान है। दुकान के पिछले हिस्से में कारखाना चलता है, सहालग में बालूशाही आदि पकवान बनाने का काम भी करते हैं। सहालग में 24 घंटे कारखाने का संचालन हो रहा था। शुक्रवार की रात लीकेज सिलेंडर से आग लग गई और तेज लपटों ने पूरे कारखाने को चपेट में ले लिया। आग के बीच कर्मचारियों में भगदड़ मच गई और बचाव के लिए कर्मचारी ऊपरी मंजिल की ओर भागे। कुछ ही देर में आग की लपटों ने स्वीट हाउस के आगे के हिस्से को भी चपेट में ले लिया और देखते-देखते आग विकराल ही गई। सीढ़ियों के रास्ते में मिठाई के डिब्बे, चीनी और वनस्पति घी के डिब्बे रखे होने से आग ऊपरी मंजिल को बढ़ती गई। इससे कर्मचारियों में फिर भगदड़ मच गई और पड़ोसी के मकान की छत से करीब 15 कर्मचारियों को सुरक्षित निकाला गया। इससे पहले दो कर्मचारी सोनू व अन्य आग में फंस गए और उनकी जलकर मौत हो गई। मरने वाले कर्मी में एक मूकबधिर था। कर्मचारियों की सूचना पर लाटूश रोड, कर्नलगंज, फजलगंज समेत अन्य फायर स्टेशन से दमकल की गाड़ियां पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। करीब छह घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग बुझने के बाद कलक्टरगंज पुलिस ने दोनों कर्मचारियों के शव निकलवाया और पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। साथियों की मदद से मृतकों के स्वजन को सूचना दी गई है।

घाटी में हथियारों के साथ तीन आतंकी गिरफ्तार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जम्मू। गांदरबल जिले के सुहामा इलाके से सुरक्षा बलों ने तीन आतंकियों को दो पिस्टल, तीन मैगजीन, दो चीनी ग्रेनेड व 15 गोलियों के साथ गिरफ्तार किया। सूत्रों के अनुसार तीन आतंकियों के वानिहामा से डिगनीबल की ओर जाने की सूचना पर सुरक्षा बलों ने चेकिंग शुरू कर दी। इस दौरान तीन संदिग्ध नाका देखकर भागने की कोशिश करने लगे, जिन्हें पकड़ लिया गया। सूत्रों के मुताबिक इनमें से दो शोपियां व एक कुलगाम के हैं।

वहीं श्रीनगर के बटमालू इलाके में पुलिसकर्मियों को निशाना बनाकर फायरिंग की गई। इससे इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हमले के बाद सुरक्षाबलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है। आरोपियों को खोजने के लिए पुलिस और अन्य जवान लगाए गए हैं। बताया जाता है कि बटमालू इलाके में पुलिस कर्मी तैनात थे तभी उन पर हमला करते हुए फायरिंग की गई है।

कालिका प्रसाद सेवा मिशन ने गरीब कन्या को लिया गोद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

» शिक्षा और विवाह खर्च के लिए दान की धनराशि

लखनऊ। दोहरीघाट निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी कालिका प्रसाद की प्रथम पुण्य तिथि पर कालिका प्रसाद सेवा मिशन की स्थापना और शुभारंभ किया गया। इसके तहत एक गरीब परिवार की कन्या को गोद लिया गया। साथ ही उसके विवाह के लिए एक लाख 11 हजार एवं उसकी शिक्षा का संपूर्ण खर्च वहन करने का ऐलान किया गया। इसके अलावा पचास गरीबों को कंबल का वितरण किया गया।

समाज सेवी कालिका प्रसाद की पुण्यतिथि पर उनके कार्यों को आगे बढ़ाने का बीड़ा उनके परिवार ने उठाया है। 23 जनवरी को कालिका प्रसाद की प्रथम पुण्यतिथि पर पत्नी इंद्रावती देवी, पुत्र अवधेश, राजेश गुड्डू, बृजेश, प्रभात एवं पुत्री रीता व रेखा गुप्ता ने कालिका प्रसाद सेवा मिशन का शुभारंभ किया। मिशन के तहत एक गरीब परिवार की कन्या को गोद लेकर उसके विवाह के लिए 1 लाख 11 हजार एवं उसकी शिक्षा का संपूर्ण खर्च का ऐलान किया गया। लाभार्थी के पिता दोहरी घाट निवासी महेश पुत्र बनारसी हैं। इस दौरान नेत्र सर्जन प्रेमा नेत्रालय मऊ के डॉ. पवन मधेशिया, पार्वती महिला महाविद्यालय के मुखिया लाल विहारी दुबे, त्रिलोकी सोनकर एवं बृजेश गुप्ता आदि गणमान्य उपस्थित थे।

प्रदेश में अब 6 फरवरी तक बंद रहेंगे सभी स्कूल-कॉलेज

» कोरोना संक्रमण को देखते हुए गृह विभाग ने जारी किया आदेश

» कई बार बढ़ाई जा चुकी है स्कूल बंद करने की अवधि, लगातार मिल रहे हैं कोरोना केस

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में कोरोना का संक्रमण के चलते गृह विभाग ने सभी स्कूलों और कॉलेजों को छह फरवरी तक बंद करने का आदेश दिया है। अपर मुख्य सचिव अवनीश अवस्थी की ओर से जारी आदेश के मुताबिक, प्रदेश के सभी स्कूल और कालेज छह फरवरी तक बंद रहेंगे। हालांकि, इस दौरान ऑनलाइन कक्षाएं चलती रहेंगी। इससे पहले सरकार ने 30 जनवरी तक शिक्षण संस्थानों को बंद करने का आदेश दिया था। इस बारे में शासनादेश जारी कर दिया है।

जारी रहेंगी आनलाइन कक्षाएं

कोरोना संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्थिति की समीक्षा करने के बाद पिछले पांच जनवरी को स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया था। सीएम योगी के निर्देश पर शासन ने 16 जनवरी तक स्कूलों को बंद करने का आदेश जारी किया गया था। कोविड का प्रकोप जारी रहने पर शिक्षण संस्थानों को फिर 23 जनवरी तक बंद कर दिया गया था। इसके बाद शासन ने स्कूलों की बंदी की अवधि को बढ़ाकर 30 जनवरी कर दिया। अब फिर से सभी स्कूल और कॉलेजों को छह फरवरी तक बंद करने का आदेश दिया है। यूपी में बीते 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 7907 नए रोगी मिले हैं। वहीं 14993 मरीज स्वस्थ हुए हैं। नए मिल रहे मरीजों के मुकाबले कहीं ज्यादा रोगी स्वस्थ होने के कारण सक्रिय केस घटकर 65263 रह गए हैं। 17 जनवरी को प्रदेश में तीसरी लहर में सर्वाधिक 1.06 लाख सक्रिय केस थे यानी 11 दिनों में 41353 मरीज घटे हैं। उधर 14 मरीजों की कोरोना संक्रमण से मौत हुई है। अब राज्य में संक्रमण दर घटकर 4.3 प्रतिशत रह गई है।

सीएम चन्नी के परिवार में बगावत

भाई मनोहर सिंह बने निर्दलीय उम्मीदवार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़। पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी के भाई मनोहर सिंह ने शुक्रवार को प्रदेश के बस्सी पठाना विधान सभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया है। कांग्रेस ने फतेहगढ़ साहिब जिले के बस्सी पठाना सीट से मौजूदा विधायक गुरप्रीत सिंह जीपी को उम्मीदवार बनाया है। पार्टी का टिकट नहीं मिलने के बाद सिंह ने इससे पहले कहा था कि वह विधान सभा सीट से निर्दलीय उम्मीदवार के तौर पर चुनाव लड़ेंगे।

उन्होंने कहा कि वह बस्सी पठाना के लोगों की इच्छानुसार इस सीट से चुनाव लड़ रहे हैं। उनकी किसी से कोई नाराजगी नहीं है और कोई विद्रोह नहीं है। पिछले साल खरड़ के सदर अस्पताल से वरिष्ठ चिकित्सा पदाधिकारी के पद से इस्तीफा दे दिया था। हाल ही में सीएम चन्नी के कजिन भाई जसविंदर सिंह धालीवाल ने भारतीय जनता पार्टी का दामन थाम लिया था। पंजाब विधान सभा का सत्र मार्च में खत्म हो रहा है। राज्य में एक ही चरण में मतदान 20 फरवरी को होगा. इससे पहले वोटिंग के लिए 14 फरवरी की तारीख तय की गई थी। साल 2017 में हुए चुनाव में कांग्रेस ने राज्य में 77 सीटों पर जीत के साथ पूर्ण बहुमत हासिल किया था। आप 20 सीटों के साथ दूसरी बड़ी पार्टी बनी थी।

भाजपा के लिए आसान नहीं पश्चिमी यूपी को साधना

किसानों में नाराजगी, फूंक-फूंक कर कदम रख रही बीजेपी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के विधान सभा चुनाव के पहले ऐसा प्रतीत हो रहा है कि सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है। अमित शाह पूरा जोर लगाते दिख रहे हैं लेकिन राजनाथ सिंह कहीं दिखाई नहीं दे रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की भूमिका को लेकर भी तरह-तरह की चर्चाएं हैं। ये बातें निकलकर सामने आई वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग, सतीश के. सिंह, अशोक वानखेड़े, रंजीव, श्वेता आर रश्मि और अभिषेक कुमार के साथ एक लंबी परिचर्चा में।

श्रवण गर्ग ने कहा बीजेपी की अपनी स्ट्रेटजी है कि किन लोगों को कहा फिट करना है। बीजेपी आरएसएस का संगठन है, चुनाव में आपको नेता कम दिखेंगे मगर कार्यकर्ता अपने काम पर लगे हैं। अखिलेश की रैली में भीड़ है तो मजबूत है, शाह अकेले चल रहे तो उनके साथ बड़ी रणनीति है। डिंपल, अखिलेश, शिवपाल, मुलायम फील्ड पर क्यूं नहीं, ये बड़ा सवाल है। रंजीव ने कहा कि किसान आंदोलन को लेकर पश्चिमी यूपी में मोदी की सभाएं कम होगी, वहां शाह को भेजा है। जयंत की वहां काफी मजबूत पैठ हैं इसलिए बीजेपी फूंक-फूंक कर कदम रख रही है।

अशोक वानखेड़े ने कहा आत्मविश्वास किसी में भी नहीं है। शाह जब जाट नेताओं के साथ बैठे तो वो परसेप्शन नहीं निकला। 253 नेता वो नेता नहीं थे जो जाटों पर बड़ा प्रभाव रखते हो। बीजेपी को जब अपना जाट वोट बैंक 18 प्रतिशत खिसकता दिख रहा तो शाह चौधरी जी की बड़ाई कर रहे है।

श्वेता आर रश्मि ने कहा अनुराग ठाकुर, धर्मेंद्र प्रधान सहित कई ऐसे बड़े नेताओं पर चुनाव की जिम्मेदारी है, जो यूपी के बारे में इतना जानते नहीं, अमित शाह वेस्ट यूपी में सक्रिय हैं तो बाकी जगहों पर अन्य नेता सक्रिय क्यूं नहीं है। सतीश के सिंह ने कहा वेस्ट यूपी में भाजपा बहुत मेहनत कर रही है क्योंकि उसे मालूम है किसानों में नाराजगी है। जाट वोट बीजेपी के लिए मुसीबत खड़ा कर सकता है।

परिचर्चा
रोज शाम को छह बजे देखिए 4PM News Network पर एक ज्वलंत विषय पर चर्चा

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मैसर्स शिव साई एसोसियेट्स (प्रोपराइटर फर्म) TIN No. - 09250042222 का Form No. - FF0068715 कहीं खो गया है जिसका अनाधिकृत प्रयोग गैर कानूनी माना जायेगा।

सत्ताधीशों ने धार्मिक उन्माद फैलाकर बांटने का काम किया: जयंत चौधरी

» राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत का वोटरों के नाम खुला पत्र

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के अध्यक्ष जयंत चौधरी ने प्रदेश के मतदाताओं के नाम एक पत्र जारी किया है। इस पत्र के जरिए उन्होंने योगी सरकार पर तीखा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि बीते 5 साल सत्ता में बैठे लोगों की दुर्भावनाओं और कुशासन के कारण जनविरोधी रहे हैं। सत्ताधीशों ने सामाजिक द्वेष, जातिगत और धार्मिक उन्माद फैलाकर जनता को बांटने का काम किया है।

पत्र के जरिए जयंत ने किसानों के मुद्दे पर कहा कि किसान के बढ़ते बोझ के विरुद्ध जब-जब स्वर उठे, उन्हें कुचलने का प्रयास हुआ। इन 5 सालों में दलितों पर अत्याचार और महिला की सुरक्षा भी सवालों के घेरे में रही। ऐसे में आज की जिम्मेदारियों

के निर्वाह में आप सभी की भागदारी भी मेरे लिए बहुत जरूरी है। इससे पहले उत्तर प्रदेश के चुनाव के लिए जयंत चौधरी की पार्टी संग गठबंधन करने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने सभी दलों और जनता को बड़ा सियासी संदेश दिया। उन्होंने कह दिया कि उनका ये गठबंधन किसानों के हित वाला गठबंधन है. उनकी माने तो इस बार दो किसान के बेटे साथ आए हैं, ऐसे में बीजेपी का सफाया होना तय है। पीसी में जयंत चौधरी ने भी बीजेपी पर निशाना साधा। उनके मुताबिक पश्चिमी यूपी सिर्फ जाटों की वजह से महत्व नहीं रखता है। बीजेपी वहां पर समाज के लोगों को बांटने का काम कर रही है। असल मुद्दों पर बहस नहीं है, सिर्फ 80 बनाम 20 फीसदी की बात हो रही है।

चौधरी साहब के सपने को भाजपा ने तोड़ा

जयंत चौधरी ने चौधरी चरण सिंह के किसानों को लेकर उज्जवल सपने की बात करते हुए कहा कि बीजेपी सरकार ने चौधरी साहब के सपने को तोड़ा है। हम किसान के बेटे हैं और किसान के हकों के लिए आखिरी दम तक लड़ेंगे। हमारी सरकार आती है तो यूपी में कोई भी काला कानून लागू नहीं हो सकेगा। वहीं एमएसपी पर सरकारी खरीद का इंतजाम होगा।

यूपी के मुख्यमंत्री पर हमला

इस बार योगी सरकार बनी तो पलायन कर लूंगा: मुनव्वर राणा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश चुनाव के प्रथम चरण का मतदान 10 फरवरी को है। ऐसे में सियासी हमले भी तेज हो चले हैं। मशहूर शायर मुनव्वर राना ने योगी पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि अब यूपी में हालात ठीक नहीं हैं।

इस बार यूपी में योगी की सरकार बनी तो तो पलायन कर लूंगा। चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहे हैं, वैसे-वैसे बयानों का दौर भी चालू हो गया है। जहां एक तरफ राजनीतिक पार्टियों से जुड़े नेता एक-दूसरे पर जमकर निशाना साध रहे है तो वहीं अक्सर अपने बयानों से विवादों में रहने वाले मशहूर शायर मुनव्वर राना ने यूपी चुनाव से पहले सीएम योगी आदित्यनाथ को लेकर एक बड़ा बयान दे दिया है। उन्होंने कहा कि अगर योगी सरकार बनी तो पलायन कर लूंगा। मुन्नवर राणा ने ये बयान पलायन के मुद्दे पर दिया है, जिसमें उन्होंने कहा कि मैं पहले ही कह चुका हूं, अगर योगी आएगा तो मैं पलायन कर दूंगा।

दो चरणों में होंगे विधान परिषद के स्थानीय निकाय क्षेत्र चुनाव

» 3 मार्च को पहला और 7 को दूसरे चरण का मतदान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधान परिषद की स्थानीय निकाय क्षेत्र की 35 सीटों पर चुनाव दो चरणों में होगा। पहले चरण में 3 मार्च को 29 सीटों और दूसरे चरण में 7 मार्च को 6 सीटों के चुनाव के लिए मतदान होगा। दोनों चरणों के चुनाव की मतगणना 12 मार्च को होगी। भारत निर्वाचन आयोग ने कल स्थानीय निकाय क्षेत्र की सीटों पर चुनाव कार्यक्रम घोषित किया।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी अजय कुमार शुक्ला ने बताया कि पहले चरण में 29 सीटों पर होने वाले चुनाव के लिए अधिसूचना 4 फरवरी को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 11 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 14 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 16 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 3 मार्च को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने बताया कि दूसरे चरण में छह सीटों पर होने वाले चुनाव की अधिसूचना 10 फरवरी को जारी की जाएगी। उम्मीदवार 17 फरवरी तक नामांकन दाखिल कर सकेंगे। 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 21 फरवरी तक नाम वापस लिए जा सकेंगे। 7 मार्च को सुबह 8 से शाम 4 बजे तक मतदान होगा। उन्होंने बताया कि मथुरा-एटा-मैनपुरी स्थानीय निकाय क्षेत्र में दो सदस्यों का चुनाव होगा। जबकि शेष सभी क्षेत्रों में एक सदस्य का चुनाव होगा।

कैबिनेट मंत्री नन्दी के समर्थकों ने खुलेआम उड़ाई आचार संहिता की धज्जियां, मुकदमा दर्ज

अमित कुमार श्रीवास्तव

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी ने इलाहाबाद शहर दक्षिणी से नंद गोपाल गुप्ता नंदी को अपना प्रत्याशी घोषित किया है। प्रत्याशी घोषित होने की बात जैसे ही उनके समर्थकों को पता चली तो पूरे शहर दक्षिणी इलाके में जगह जगह पर सड़क पर उतर कर ढोल नगाड़े संघ आतिशबाजी करने लगे।

नंदी समर्थकों ने नंदी के घर के बाहर जमकर आतिशबाजी की। साथ ही पूरे चौक इलाके में लाउडस्पीकर लगाकर खुलेआम आदर्श आचार संहिता की धज्जियां उड़ाते रहे लेकिन निर्वाचन अधिकारियों के कान में जूं तक नहीं रेंगा। जब बसपा के प्रत्याशी देवेंद्र मिश्रा ने प्रशासन को सूचना दी कि

नन्दी समर्थक बीच सड़क पर जश्न मना रहे हैं। उसी दौरान उनके समर्थकों ने बसपा प्रत्याशी के कार्यकर्ता से अभद्रता की, उसी दौरान कुछ नंदी समर्थकों ने मेरे ऊपर जानलेवा बम से हमला किया। नंदी समर्थकों के खिलाफ नैनी थाने में मुकदमा दर्ज कराने के लिए लिखित तहरीर दी है। बीच सड़क पर बिना परमिशन के जश्न मनाने के मामले पर नंदी समर्थकों के खिलाफ आचार संहिता उल्लंघन का मुकदमा दर्ज किया गया है।

जसवंत नगर सीट से शिवपाल यादव ने भरा पर्चा

» साइकिल चुनाव चिह्न से चुनाव लड़ रहे हैं शिवपाल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। प्रगतिशील समाजवादी पार्टी के मुखिया शिवपाल सिंह यादव ने सपा के साथ चुनावी गठबंधन के तहत कल नामांकन भर दिया। शिवपाल यादव ने 199 जसवंतनगर विधानसभा से छठवीं बार अपना नामांकन का पर्चा दाखिल किया है। शिवपाल समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन में साइकिल चुनाव चिह्न से चुनाव लड़ रहे हैं। शिवपाल सिंह ने दावा करते हुए कहा कि जिन लोगों को अखिलेश ने टिकट दिए हैं, वे सभी लोग विजयी होंगे और सपा गठबंधन की सरकार प्रचंड बहुमत के साथ बनेगी।

नामांकन के समय उन्होंने अपने हलफनामे में संपत्ति और मुकदमे का विवरण दिया है। उन्होंने इटावा जनपद के सैफई और जसवंतनगर क्षेत्र में अपनी कृषि भूमि एवं प्लॉट की कुल कीमत 29,07,827 बताई है। पत्नी सरला यादव के नाम से कुल प्रॉपर्टी की कीमत 4,55,12,021 रुपए दर्शायी गई है। साथ ही पत्नी के पास 10,65,816 रुपए की कीमत की ज्वैलरी है। वहीं, शिवपाल सिंह यादव के पास व्यक्तिगत तौर पर एक

कोई आपराधिक मामला लंबित नहीं

शिवपाल सिंह ने आपराधिक मामलों का जिक्र करते हुए कहा है कि उन पर कोई भी मामला लंबित नहीं है। इसका भी हलफनामा दिया गया है। नामांकन के समय कलेक्ट्रेट में उनके साथ उनके भतीजे जिला पंचायत अध्यक्ष अंशुल उर्फ अभिषेक यादव, बेटा आदित्य उर्फ अंकुर यादव एवं मैनपुरी से पूर्व सांसद रहे पौत्र तेज प्रताप यादव आए थे।

सोने की अंगूठी है, जिसकी कीमत उन्होंने 36,500 बताई है। शिवपाल ने 2004 में पजेरो खरीदी थी, जिसकी कीमत 20,46, 306 रुपए है। शिवपाल की शैक्षिक योग्यता की बात करें तो, उन्होंने 1977 में लखनऊ विवि से बीपीएड की शिक्षा प्राप्त की, उसके बाद से ही वह राजनीति में सक्रिय हैं।

मंत्री स्वाती सिंह की सीट सरोजनीनगर में दावेदार बेचैन

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। सरोजनीनगर समेत लखनऊ की किसी भी सीट पर भाजपा ने अभी अपने प्रत्याशी की घोषणा नहीं की है। जबकि सपा ने नौ विधानसभा सीटों में से मोहनलालगंज व मलिहाबाद से अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। हालांकि हॉट सीट सरोजनीनगर से सपा ने भी अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं।

वहीं बसपा ने सभी नौ सीटों पर और कांग्रेस ने भी कई सीटों पर अपने प्रत्याशियों का एलान कर दिया है। मंत्री स्वाती सिंह की सीट होने के चलते सरोजनीनगर पर भाजपा और सपा के उम्मीदवारों के नाम को लेकर हर किसी की निगाहें टिकी हैं। बीजेपी के सिटिंग एमएलए स्वाती सिंह की टिकट कटने और दूसरे प्रत्याशी के चुनाव मैदान में आने को लेकर भी चर्चाओं का बाजार गर्म है। टिकट को लेकर मंत्री स्वाती सिंह और दयाशंकर सिंह दोनों आमने-सामने हैं। अभी कुछ दिन पहले स्वाती सिंह का एक आडियो भी वायरल हुआ था, जिसमें उन्होंने अपने पति दयाशंकर पर कई तरह के आरोप लगाए थे। अब तक इस सीट से भाजपा और सपा की और से उम्मीदवारों के नाम घोषित न होने से टिकट के दावेदारों और उनके समर्थकों में बेचैनी है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक **बबिता चतुर्वेदी** के लिए **4पीएम** आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (यूपी) से मुद्रित एवं प्रकाशित। **प्रधान संपादक**- अर्चना दयाल, **संपादक** - संजय शर्मा, **स्थानीय संपादक** - सूर्यकांत त्रिपाठी*, **विधि सलाहकार**: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, **वित्तीय सलाहकार**: संदीप बंसल, **कार्टूनिस्ट**: हसन जैदी, **दूरभाष**: 0522- 4078371 | **Email**: daily4pm@gmail.com | **website**: www.4pm.co.in | **RNI-UPHIN/2015/62233** डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020
*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।